News & Coverage
Media Centre
15 January 2025

UNI BREVITY ACCURACY SPEED
यूनीवार्ता भारत की अग्रणी संवाद समिति
Wednesday, Jan 15 2025 | Time 10:51 Hrs(IST)

आईजीएनसीए के एनएमसीए ने मनाया प्रतिष्ठा दिवस

नयी दिल्ली, 14 जनवरी (वार्ता) इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (आईजीएनसीए) के राष्ट्रीय सांस्कृतिक मानचित्रण मिशन प्रभाग (एनएमसीएम) ने मंगलवार को यहां अपना प्रतिष्ठा दिवस मनाया।

आईजीएनसीए की ओर से जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि राजधानी में आयोजित कार्यक्रम में एक संगोष्ठी का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता आईजीएनसीए के डीन (प्रशासन) एवं कलानिधि प्रभाग के अध्यक्ष प्रो. रमेश चंद्र गौड़ ने की। एनएमसीएम के निदेशक डॉ. मयंक शेखर ने अतिथियों एवं वक्ताओं का स्वागत किया।

इस अवसर पर आयोजित संगोष्ठी में विमल कुमार सिंह ने 'भविष्य के गांव' विषय पर विचार व्यक्त किए, वहीं आशीष कुमार गुप्ता ने 'भारतीय ग्राम व्यवस्था' के बारे में एक नई दृष्टि प्रस्तुत की।

इस मौके पर देश के तीन गांवो उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिला स्थित सिंगरौर उप्रहार, केरल के पतनमतिट्टा जिले के रन्नी तहसील स्थित अयरूर और असम के मेरीगांव जिला स्थित जोनबील पर आधारित फिल्मों का लोकार्पण किया गया।

गौरतलब है कि एनएमसीएम के माध्यम से देश के साढ़े छह लाख गांवों के विशिष्ट सांस्कृतिक पहलुओं का संग्रह और दस्तावेजीकरण किया जा रहा है। शहरीकरण ने देश के गांवों के आकार को 20 प्रतिशत तक कम कर दिया है।

DAINIK INDIA 24X7
खबरें वही जो आपके लिए सही

मकर संक्रांति पर NMCM ने सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण की दिशा में कदम बढ़ाए

एनएमसीएम देश की समृद्ध ग्रामीण संस्कृति को संरक्षित और प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है

Dainik India Bureau · 12 hours ago 1 minute read

मकर संक्रांति के पावन अवसर पर इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (IGNCA) के राष्ट्रीय सांस्कृतिक मानचित्रण मिशन (एनएमसीएम) ने अपना प्रतिष्ठा दिवस धूमधाम से मनाया। यह कार्यक्रम भारतीय संस्कृति और ग्रामीण धरोहर को संरक्षित और प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता आईजीएनसीए के डीन (प्रशासन) एवं कलानिधि प्रभाग के अध्यक्ष प्रो. रमेश चंद्र गौड़ ने की। इस अवसर पर एनएमसीएम के निदेशक डॉ. मयंक शेखर ने अतिथियों का स्वागत किया।

संगोष्ठी और फिल्म लोकार्पण

कार्यक्रम के दौरान एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें देश की ग्रामीण संस्कृति और उसकी समृद्धि पर विचार साझा किए गए। संगोष्ठी में श्री विमल कुमार सिंह ने 'भविष्य के गांव' पर अपने विचार रखे, जबकि श्री आशीष कुमार गुप्ता ने 'भारतीय ग्राम व्यवस्था' पर नई दृष्टि प्रस्तुत की।

इस अवसर पर तीन विशेष फिल्मों का लोकार्पण किया गया, जो भारत के तीन विशिष्ट गांवों पर आधारित हैं:

1. **सिंगरौर उपहार** (प्रयागराज, उत्तर प्रदेश)
2. **अयरूर** (रन्नी तहसील, पतनमतिट्टा, केरल)
3. **जोनबील** (मेरीगांव, असम)

गांवों की संस्कृति: भारतीय आत्मा

एनएमसीएम का प्रतिष्ठा दिवस मकर संक्रांति के महत्त्व को समर्पित है, जो भारतीय संस्कृति, विशेष रूप से ग्रामीण संस्कृति का प्रतीक है। महात्मा गांधी के विचार, "मेरे लिए भारत गांव से शुरू होता है और गांव पर ही खत्म," इस पहल के मूल में हैं।

एनएमसीएम भारत के साढ़े छह लाख गांवों की सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित और दस्तावेजीकरण कर रहा है। शहरीकरण के चलते गांवों का आकार और उनकी पारंपरिक संस्कृति तेजी से बदल रही है। ऐसे में ग्रामीण लोकाचार को सहेजना और बढ़ावा देना एनएमसीएम का प्राथमिक उद्देश्य है।

भारतीय ग्रामीण संस्कृति का संरक्षण

इस आयोजन ने भारतीय संस्कृति में गांवों के महत्त्व और उनकी प्रगति पर विचार साझा करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया। एनएमसीएम देश की समृद्ध ग्रामीण संस्कृति को संरक्षित और प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

Loksatye

आईजीएनसीए में मनाया प्रतिष्ठा दिवस

नई दिल्ली, लोकसत्य

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (आईजीएनसीए) के राष्ट्रीय सांस्कृतिक मानचित्रण मिशन प्रभाग ने अपना प्रतिष्ठा दिवस मनाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता आईजीएनसीए के डीन (प्रशासन) एवं कलानिधि प्रभाग के अध्यक्ष प्रो. रमेश चंद्र गौड़ ने की। इस अवसर पर एक संगोष्ठी का आयोजन भी किया गया और तीन फिल्मों को लोकार्पित भी किया गया। एनएमसीएम के निदेशक डॉ. मयंक शेखर ने अतिथियों एवं वक्ताओं का स्वागत किया।

आयोजित संगोष्ठी में विमल कुमार सिंह ने 'भविष्य के गांव' विषय पर विचार व्यक्त किए, तो वहीं आशीष कुमार गुप्ता ने 'भारतीय ग्राम व्यवस्था' के बारे में एक नई दृष्टि प्रस्तुत की। कार्यक्रम में भारत के तीन गांवों पर आधारित फिल्मों का लोकार्पण किया गया। ये गांव हैं- उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में स्थित सिंगरौर उपहार, केरल के पत्तनमतिट्टा जिले के रन्नी तहसील में स्थित अयरूर और असम के मेरी गांव जिले में स्थित जोनबील। यह सुखद संयोग है कि एनएमसीएम का प्रतिष्ठा दिवस मकर संक्रांति के राष्ट्रव्यापी उत्सव के दिन ही होता है और इसी शुभ अवसर से प्रेरित भी

Dainik Jagran

PM Museum: पीएम संग्रहालय की नई टीम में स्मृति ईरानी, शेखर कपूर शामिल; संस्कृति मंत्रालय ने जारी की अधिसूचना

केंद्र ने कई नए नाम जोड़कर प्रधानमंत्री संग्रहालय और पुस्तकालय (पीएमएमएल) की सोसायटी और कार्यकारी परिषद का पुनर्गठन किया है। वहीं नए नामों में पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति इरानी नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष राजीव कुमार सेवानिवृत्त जनरल सैयद अता हसनैन फिल्म निर्माता शेखर कपूर और संस्कार भारती से वासुदेव कामथ को नए सदस्यों के रूप में शामिल किया गया है।

आइएएनएस, नई दिल्ली। एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम के तहत प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय (पीएमएमएल) की सोसायटी और कार्यकारी परिषद का पुनर्गठन किया गया है। संस्था की सोसायटी में कई नए नाम शामिल हुए हैं। प्रधानमंत्री के पूर्व प्रधान सचिव नृपेंद्र मिश्रा को सोसायटी अध्यक्ष के रूप में पांच वर्ष का एक और कार्यकाल मिला है।

अनुराग ठाकुर को नहीं मिली नई परिषद में जगह

कुछ उल्लेखनीय व्यक्ति जिन्हें नई परिषद में फिर स्थान नहीं मिला है, उनमें पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष एम. जगदीश कुमार, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के अध्यक्ष राम बहादुर राय और पत्रकार रजत शर्मा शामिल हैं।

नए सदस्यों के रूप में ये हुए शामिल

पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति इरानी, नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष राजीव कुमार, सेवानिवृत्त जनरल सैयद अता हसनैन, फिल्म निर्माता शेखर कपूर और संस्कार भारती से वासुदेव कामथ को नए सदस्यों के रूप में शामिल किया गया है।

रिजवान कादरी सोसायटी में बरकरार

इनके अलावा 1976 में बाबरी ढांचे की खुदाई टीम का हिस्सा रहे पुरातत्वविद् केके मोहम्मद एवं राष्ट्रीय संग्रहालय के वर्तमान प्रमुख बीआर मणि को भी सोसायटी में शामिल किया गया है। जबकि नेहरू पत्रों की वापसी को लेकर हाल में चर्चा में रहे रिजवान कादरी सोसायटी में बरकरार रखे गए हैं।